



साइबर सुरक्षा पर लीजन की सेंध

 drishtiias.com/hindi/printpdf/cyber-security-3

साइबर सुरक्षा पर लीजन की सेंध

भारतीय साइबर सुरक्षा के लिये हैकर्स ग्रुप 'लीजन' बड़ा खतरा बन गया है। देश कैशलेस की राह पर बढ़ रहा है और यह ग्रुप यहाँ की बैंकिंग



व्यवस्था को घुटनों पर लाने की धमकी दे रहा है। इसके कारणामों और खतरों को देखते हुए सरकार तैयारी में जुट गई है। इसी क्रम में बैंकिंग

और आईटी इनफ्रास्ट्रक्चर के ऑडिट के आदेश दिये गए हैं।



बड़े मामले

- कांग्रेस उपाध्यक्ष गहुल गांधी का ट्रिवटर अकाउंट हैक हुआ। इससे अनर्गल ट्वीट किये गए।

- समूह ने दावा किया कि वह अपोलो अस्पताल और संसद डॉट एनआइसी डॉट इन के सर्वर तक पहुँच चुका है।



- न्यूज़ वेबसाइट फैक्टर डेली के ज़रिये कहा कि वह नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ

इंडिया और बैंकिंग रिसर्च तकनीक देखने वाली आईडीआरबीटी (इस्टीट्यूट फार डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी) के डाटा तक पहुँच चुका है।

पता लगाना बेहद मुश्किल

हैकिंग के लिये अति सुरक्षित सर्वर और ऐप का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इनका पता लगाना बेहद मुश्किल है। लीजन के दावे के मुताबिक अपराध और ड्रग्स उनका शोक है।

लीजन का मतलब: यह एक रोमन शब्द है। रोमन सेना में हथियारों से लैस सिपाहियों की बटालियन को लीजन कहा जाता था। हालाँकि बाइबल के मुताबिक लीजन का अर्थ शैतानों का समूह है।

मंडरा रहा है खतरा

नोटबंदी के बाद सरकार कैशलेस व्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। ऑनलाइन लेनदेन पर लोगों को सुविधाएँ दी जा रही हैं जिससे लोग नकदी लेनदेन कम करें। ऐसे समय में यदि लीजन बैंकिंग व्यवस्था में संध मारता है तो करोड़ों रुपए की चपत लग सकती है।



ग्रुप के दावे

- भारत की ऑनलाइन बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा भगवान भरोसे है।
- बैंकों के ग्रुप सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिये इस्तेमाल होने वाली 'इंक्रिप्शन की' हासिल कर ली है।

